



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

30/5/86

सं० 169]
No. 169]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अप्रैल 3, 1986/चैत्र 13, 1908
NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 3, 1986/CHAITRA 13, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा-शुल्क बोर्ड

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 1986

सं. 230/86-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 580 (अ):—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 157 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और परियोजना आयात (संविदा का रजिस्ट्रीकरण) विनियम, 1965 को उन बातों के सिवाय के अधिकांश करते हुए जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है, निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात्:—

1. (क) संक्षिप्त नाम और प्रारंभ:— इन विनियमों का संक्षिप्त नाम परियोजना आयात विनियम, 1986 होंगे।

(ख) ये 3 अप्रैल, 1986 से प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना:— ये विनियम सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के शीर्ष सं. 98.01 के अन्तर्गत आने वाले माल के निर्यात और निकासी के लिए लागू होंगे।

3. परिभाषाएं:— इन विनियमों के प्रयोजनों के लिए:—

(क) “औद्योगिक संयंत्र” से ऐसी औद्योगिक पद्धति अभिप्रेत है जो वस्तु के विनिर्माण, उत्पादन या वितरण के लिए आवश्यक किसी प्रक्रिया या क्रमबद्ध प्रक्रियाओं के निष्पादन में प्रत्यक्ष रूप से लगाए जाने के लिए परिकल्पित है किन्तु इसके अन्तर्गत निम्नलिखित नहीं हैं:—

(i) ऐसे संस्थापन जो किसी वर्जन की सेवाओं का प्रस्ताव करने के लिए परिकल्पित हैं, जैसे होटल, अस्पताल, फोटोग्राफिक स्टूडियो, फोटोग्राफिक फिल्म प्रसंस्करण प्रयोगशालाएं, फोटोप्रतिलिपि स्टूडियो, लांडरी, गैरिज, कर्मशाला, या

(ii) उक्त पहली अनुसूची के अनुभाग 16 के टिप्पण 3 और 4 में उसको दिए गए अर्थान्तर्गत एकल मशीन या कोई संयुक्त मशीन;

(ख) “पर्याप्त विस्तार” से ऐसा विस्तार अभिप्रेत है, जिससे विद्यमान संस्थापित क्षमता में कम से कम 25 प्रतिशत वृद्धि हो जाती है।

(ग) 'एकक' से कित। औद्योगिक मयत्र या कोई स्वतः पूर्ण या या उक्त शीर्ष स 98 01 के अधीन विनिर्दिष्ट किसी परियोजना का कोई स्वतःपूर्ण भाग और जिसका उक्त परियोजना के निरन्तरन में स्वतः कार्य है परिगणित है।

4 पाठना— शीर्ष स 98.01 के प्रदान निर्वारण केवल ऐसे मान को ह उक्त होगा जिनका आयात (वह एक या एक से अधिक उपपेक्षा में) ऐसे किसी एक या अधिक विनिर्दिष्ट सविदाओं के लिए किया गया हो, जो विनियम 5 में विनिर्दिष्ट रीति में समुचित सोनाशुल्क मदन में रजिस्ट्रीकृत किए गए हैं और ऐसी सविदा या सविदाएं —

(1) सीमा-शुल्क के किसी समुचित अधिकारी द्वारा देशी उपभोग के लिए माल की निकासी को अनुज्ञात करने वाला कोई आदेश किए जाने से पूर्व,

(11) भारत सरकार के यथास्थिति, या () या भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण द्वारा सम्यक रूप में प्रायोजित या अनुमोदित मेलाओं, प्रदर्शनियों, प्रदर्शनो, सेमिनारों, कार्यक्रमों और सम्मेलनों की बाबत पुन निर्यात के अधीन शुल्क के सदाय के बिना देशी उपभोग के लिए निकासी किए गए माल की दशा में, शुल्क के सदाय की तारीख के पूर्व,

स प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत हो गई है।

5 सविदाओं का रजिस्ट्रीकरण—(1) उक्त शीर्ष स 98 01 के अन्तर्गत प्राप्त वाले माल के निर्वारण का तारा करने वाला प्रत्येक आयातकर्ता, उनके आयात पर या, उसके पूर्व उस पतन के जहां माल का आयात किया जाना है या जहां यथास्थिति, सविदा या सविदाओं के रजिस्ट्रीकरण के लिए शुल्क का सदाय किया जाना है, समुचित अधिकारी को लिखित रूप में आवेदन करेगा,

परन्तु ऐसे परमाणु को दशा में जिनकी निकासी ऐसे सीमाशुल्क मदन में मित्र क्रिया प्रोत्साहक मदन में को जानो है जिस पर सविदा रजिस्ट्रीकृत है, तो आयातकर्ता रजिस्ट्रीकरण के सीमा-शुल्क मदन में ऐसी जानकारी प्रस्तुत करेगा जिनके समुचित अधिकारी प्रोक्षा करे।

(2) आयातकर्ता तभी भी अवेक्षण हो वहां आयात व्यापार नियंत्रण अधिनियम प्रयोग कर। क परवान यथासंभव शीघ्र सविदा के अन्तर्गत आने वाली वस्तुओं के आयात के लिए और खुला साधारण अनुज्ञप्ति के अन्तर्गत आने वाले आयातों या केन्द्रीय सरकार किसी राज्य सरकार कानूनी निगम पब्लिक निगम या जोईंट स्टॉक कंपनी के रूप में संचालित सरकारी उद्योग (जिसे इसमें इसके अंग सरकारों अधिकरण कहा गया है) द्वारा किए गए आयातों की दशा में, यथास्थिति, तकनीकी विकास मन्त्रिालय या मन्त्रिय प्रायोजक प्राधिकरण से निकासी अभिप्राय होते हैं, आवेदन करेगा।

(3) आवेदन में निम्नलिखित विनिर्दिष्ट किए जाएंगे —

(क) सयत्न या परियोजना की अवस्थिति—

(ख) उन वस्तुओं का वर्ग जिनका विनिर्माण, उत्पादन, खनन या गोज को जानो है,

(ग) सयत्न या परियोजना की स्थापित या परिकल्पित क्षमता और किसी निश्चित सयत्न या परियोजना के पर्याप्त विस्तार की दशा में स्थापित क्षमता और उसके प्रस्तावित वृद्धि,

(घ) ऐसी अन्य विशिष्टियां जो उक्त शीर्ष के अधीन निर्वारण के प्रयोजनों के लिए समुचित अधिकारी द्वारा आवश्यक समझी जाएं।

(4) आवेदन के साथ तथा भी प्रेषित हों, सविदा का मूल बिलेख उक्त विलेख प्रेषित आयात, व्यापार, नियंत्रण अनुज्ञप्ति, मजदूरी की वस्तुओं के आयात को जाने वाली अनुज्ञप्ति वस्तुओं का या तकनीकी विनियम सविदाओं प्रती पराधरण अनुज्ञप्ति के अन्तर्गत आ। वाले आयात के शीघ्र पराधरण किन्ने राज्य सरकार कानूनी निगम, पब्लिक निगम या किसी स्टॉक कंपनी के रूप में संचालित सरकारी उपक्रम द्वारा किए गए आयातों को दशा में सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारी से मदों को एक अनुज्ञप्ति प्राप्त हो विनिर्दिष्ट रूप में उल्लेख किया जाएगा।

(5) आयातकर्ता आवेदन के रजिस्ट्रीकरण के लब्ध मएँसी अन्य दस्तावेज या अन्य विशिष्टियां भी प्रस्तुत करेगा जो समुचित अधिकारी द्वारा अपेक्षित हों।

(6) समुचित अधिकारी अतः यह समझान हो जाने पर कि आवेदन क्रमबद्ध है परन्तु तब उक्त विशिष्टियों को इस प्रयाजन के लिए रखी गई पुस्तिका में पंजीकृत करके उसे रजिस्टर करेगा, रजिस्ट्रीकरण के प्रतीक रूप में कोई मद्यक अनुज्ञप्ति प्रेषण और उस त्रस सहायक को आयातकर्ता को समुचित करेगा तथा आयातकर्ता को वे सभी मूल दस्तावेज भी वापस लौटा देगा जो प्रब उनके द्वारा अपेक्षित नहीं है।

6 निर्यात का प्रयोजन — (1) यदि विनियम 5 में निर्दिष्ट कोई निर्यात करने वाले आयातकर्ता को पूरा या पश्चात नशोधित की जानी है तो आयातकर्ता उक्त निर्यात में आयात के रजिस्ट्रीकरण के लिए समुचित अधिकारी को आवेदन करेगा।

(2) आवेदन के साथ आयात में मन्त्रिय सविदा का मूल बिलेख उक्त विलेख प्रेषित आयात, व्यापार, नियंत्रण अनुज्ञप्ति, मजदूरी की वस्तुओं के आयात को जाने वाली अनुज्ञप्ति वस्तुओं का या तकनीकी विनियम सविदाओं प्रती पराधरण अनुज्ञप्ति के अन्तर्गत आ। वाले आयात के शीघ्र पराधरण किन्ने राज्य सरकार कानूनी निगम, पब्लिक निगम या किसी स्टॉक कंपनी के रूप में संचालित सरकारी उद्योग (जिसे इसमें इसके अंग सरकारों अधिकरण कहा गया है) द्वारा किए गए आयातों की दशा में, यथास्थिति, तकनीकी विकास मन्त्रिालय या मन्त्रिय प्रायोजक प्राधिकरण से निकासी अभिप्राय होते हैं, आवेदन करेगा।

(3) यह समझान हो जाने पर कि आवेदन क्रमबद्ध है समुचित अधिकारी आवेदनों का एक टिप्पण, रजिस्टर में लिखेगा।

[फा स 528/15/86-सी शु. —(टी यू.)]

एम एन बिस्वास, सचिव सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

CENTRAL BOARD OF EXCISE & CUSTOMS

NOTIFICATION

New Delhi. the 3rd April, 1986

NO. 230/86-CUSTOMS

G.S.R. 580(E).—In exercise of the powers conferred by section 157 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and in supersession of the Project Imports (Registration of Contract) Regulations, 1965, except as respect things done or omitted to be done before such supersession the Central Board of Excise and Customs hereby makes the following regulations, namely :—

1. (1) Short title and commencement.—These regulations may be called the Project Imports Regulations, 1986.

(2) They shall come into force on the 3rd day of April, 1986.

2. Application.—These regulations shall apply for assessment and clearance of the goods falling under heading No. 98.01 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975).

3. Definitions.—For the purposes of these regulations,—

(a) “industrial plant” means an industrial system designed to be employed directly in the performance of any process or series of processes necessary for manufacture, production or extraction of a commodity, but does not include—

(i) establishments designed to offer services of any description such as hotels, hospitals, photographic studios, photographic film processing laboratories, photocopying studios, laundries, garages and workshops; or

(ii) a single machine or a composite machine, within the meaning assigned to it, in notes 3 and 4 to section XVI of the said First Schedule;

(b) “substantial expansion” means an expansion which will increase the existing installed capacity by not less than 25 per cent;

(c) “unit” means any self-contained portion of an industrial plant or any self-contained portion of a project specified under the said heading No. 98.01 and having an independent function in the execution of the said project.

4. Eligibility.—The assessment under the said heading No. 98.01 shall be available only to those goods which are imported (whether in one or more than one consignment) against one or more specific contracts, which have been registered with the appropriate Custom House in the manner specified in regulation 5 and such contract or contracts has or have been so registered,—

(i) before any order is made by the proper officer of customs permitting the clearance of the goods for home consumption;

(ii) in the case of goods cleared for home consumption without payment of duty subject to re-export in respect of fairs, exhibitions, demonstrations, seminars, congresses and conferences, duly sponsored or approved by the Government of India or Trade Fair Authority of India, as the case may be, before the date of payment of duty.

5. Registration of Contracts.—(1) Every importer claiming assessment of the goods falling under the said heading No. 98.01, on or before their importation shall apply in writing to the proper officer at the port where the goods are to be imported or where the duty is to be paid for registration of the contract or contracts, as the case may be :

Provided that in the case of consignments sought to be cleared through a Custom House other than the Custom House at which the contract is registered, the importer shall produce from the Custom House of registration such information as the proper officer may require.

(2) The importer shall apply, as soon as may be, after he has obtained the Import trade control licence wherever required for the import of articles covered by the contract and in case of imports covered by the Open General Licence or imports made by Central Government, any State Government, statutory corporation, public body or Government undertaking run as a joint stock company (hereinafter referred to as “Government Agency”) as soon as clearance from the Directorate General of Technical Development or the concerned sponsoring authority, as the case may be, has been obtained.

(3) The application shall specify—

(a) the location of the plant or project;

(b) the description of the articles to be manufactured, produced, mined or explored;

(c) the installed or designed capacity of the plant or project and in the case of substantial expansion of an existing plant or project the installed capacity and the proposed addition thereto;

(d) such other particulars as may be considered necessary by the proper officer for purposes of assessment under the said heading.

(4) The application shall be accompanied by the original deed of contract together with a true copy thereof, the import trade control licence, wherever required, specifically describing the articles licensed to be imported or an approved list of items from the Director General of Technical Development or the concerned sponsoring authority, in the case of imports covered by Open General Licence or imports made by Central Government, any State Government, statutory Corporation, public body or Government undertaking run as a joint stock company.

(5) The importer shall also furnish such other documents or other particulars as may be required by the proper officer in connection with the registration of contract.

(6) The proper officer shall, on being satisfied that the application is in order register the contract by entering the particulars thereof in a book kept for the purpose, assign a number in token of the registration and communicate that number to the importer and shall also return to the importer all the original documents which are no longer required by him.

6. Amendment of contract.—(1) If any contract referred to in regulation 5 is amended, whether before or after registration, the importer shall make an application for registration of the amendments to the said contract to the proper officer.

(2) The application shall be accompanied by the original deed of contract relating to the amendments together with a true copy thereof and the documents, if any, permitting consequential amendments to the import trade control licence, wherever required, for the import of articles covered by the contract and in the case of imports covered by Open General Licence, as soon as clearance from the Directorate General of Technical Development or the concerned sponsoring authority, as the case may be, has been obtained

along with a list of articles referred to in clause (4) of regulation 5, duly attested.

(3) On being satisfied that the application is in order, the proper officer shall make a note of the amendments in the register.

[F. No 528/15/86-Cus (TU)]

M. N. BISWAS, Under Secy.
Central Board of Excise & Customs.